श्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिसर्व परियोजना का शुभारंभ किया

यह परियोजना युवाओं को सशक्त बनाएगी, उन्हें अधिक नियोजनीय बनाएगी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी - श्री धर्मेंद्र प्रधान

ओडिशा में 1100 छात्रों को पहले ही ओडिसर्व परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जा चुका है - श्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 1 मार्च 2024: केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए ओडिशा के युवा स्नातकों को तैयार करने के लिए आज संबलपुर में ओडिसर्व परियोजना का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में आपना वक्तव्य देते हुए, श्री प्रधान ने कहा कि ओडिसर्व परियोजना देश के युवाओं को सशक्त बनाएगी, उन्हें अधिक नियोजनीय बनाएगी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कैसे एनईपी 2020 शिक्षा और कौशल के बीच की खाई को पाट रही है, अधिक सामंजस्य बना रही है और छात्रों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ जॉब के लिए तैयार कौशल प्राप्त करने की अनुमति दे रही है।

उन्होंने बताया कि ओडिशा में 1100 छात्रों को ओडिसर्व परियोजना के अंतर्गत पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है और उनमें से कुछ को आज जॉब के प्रस्ताव भी मिले हैं। उन्होंने उन सभी उम्मीदवारों को बधाई दी जिनकी आज नियुक्ति हुई है। माननीय मंत्री जी ने भारत के युवाओं को भावी और उद्योग के लिए तैयार बनाने की परिकल्पना हेतु प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी

के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ओडिसर्व परियोजना उद्योग-अकादमिक सहयोग का एक आदर्श उदाहरण है।

माननीय मंत्री जी ने यह भी उल्लेख किया कि 100 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम ओडिशा के युवाओं को बैंकिंग, वित्त और बीमा उद्योगों में आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल से लैस करेगा। उन्होंने कहा, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से दक्षताओं को बढ़ावा मिलेगा, ओडिशा की युवा शक्ति की नियोजनीयता को बढ़ाएगा और भावी तैयार कार्यबल का सृजन करेगा।

बजाज फिनसर्व के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री संजीव बजाज ने कहा कि युवाओं के कौशलीकरण और रोजगार से जनसांख्यिकीय लाभांश को शक्ति मिलेगी और यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने कहा, कौशल विकास बजाज फिनसर्व की सामाजिक प्रभाव पहल का अभिन्न अंग है। उन्होंने उल्लेख किया कि वित्तीय सेवा क्षेत्र में प्रतिभा की कमी को पूरा करने के लिए सीपीबीएफआई कार्यक्रम कैसे शुरू किया गया था और जब प्रतिभागियों को उनके प्रमाणीकरण के बाद रोजगार मिलता है तो लाभार्थियों की पारिवारिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। उन्होंने यह भी कहा कि एनएसडीसी के साथ उनकी भागीदारी से भारत भर के कॉलेजों में सीपीबीएफआई को बढ़ाने में मदद मिलेगी। श्री बजाज ने कहा कि ओडिसर्व परियोजना का शुभारंभ महत्वपूर्ण है क्योंकि ओडिशा हाल ही में घोषित 100 क्यूब पहल के माध्यम से उद्यमशीलता और स्टार्ट-अप के केंद्र के रूप में उभरने की तैयारी कर रहा है।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और बजाज फिनसर्व लिमिटेड के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने आज ओडिशा के संबलपुर में गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय (जीएमयू) में अपनी पहली कौशल विकास पहल - ओडिसर्व

परियोजना का अनावरण किया। दिसंबर, 2023 में श्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में एनएसडीसी और बजाज फिनसर्व द्वारा घोषित भागीदारी के बाद, ओडिसर्व परियोजना पहली कौशल विकास पहल है।

यह परियोजना बजाज फिनसर्व के सर्टिफिकेट प्रोग्राम फॉर बैंकिंग फाइनेंस एंड इंश्योरेंस (सीपीबीएफआई) कार्यक्रम के माध्यम से स्नातकों, विशेष रूप से पहली पीढ़ी के स्नातकों को ज्ञान और कौशल प्रदान करेगी, यह 100 घंटे का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो वित्तीय सेवा क्षेत्र में रोजगार के लिए टियर-2 और टियर-3 शहरों के युवाओं को तैयार करता है। ओडिसर्व परियोजना के शुभारंभ से ओडिशा में कौशल विकास के परिदृश्य में बदलाव आने की उम्मीद है।

ओडिसर्व परियोजना ने ओडिशा के 11 शहरों और संबलपुर, ढेंकनाल, अंगुल, कटक, खोरधा, बालासोर और पुरी सहित 10 जिलों के 60 कॉलेजों में सीपीबीएफआई कार्यक्रम शुरू करने की परिकल्पना की है। कवर किए गए कुछ कॉलेजों में भुबन महिला डिग्री कॉलेज, मथाकारगोला डिग्री कॉलेज, संबलपुर विश्वविद्यालय और एससीएस कॉलेज शामिल हैं। इसमें से सीपीबीएफआई पहले ही 30 कॉलेजों में शुभारंभ किया जा चुका है, जिसमें 1100 छात्रों का नामांकन किया गया है और दो माह की छोटी अवधि में 25,000 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया है।

एनएसडीसी और बजाज फिनसर्व के साथ भागीदारी के तहत भारत भर के 22 राज्यों में सीपीबीएफआई कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, जिसमें 400 से अधिक कॉलेज शामिल होंगे। भागीदारी का लक्ष्य शुरुआत में सीपीबीएफआई कार्यक्रम के माध्यम से 20,000 उम्मीदवारों की क्षमताओं का निर्माण करना है। 100 घंटे का कार्यक्रम उद्योग विशेषज्ञों, प्रशिक्षण भागीदारों, शैक्षणिक संस्थानों और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य संस्थानों के सहयोग से विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम वित्त, बैंकिंग और बीमा के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य के अनुकूल है और इसमें नवीनतम उद्योग रुझान, तकनीकी प्रगति और सर्वोत्तम पद्धतियों को शामिल किया गया है। एनएसडीसी के साथ भागीदारी को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) पर बढ़ाया जाएगा - जो सभी सरकार-नीत कौशल और उद्यमशीलता पहलों के लिए एक व्यापक सूचना प्रवेश द्वार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र न केवल अकादमिक रूप से सुसज्जित हैं बल्कि वित्तीय क्षेत्र में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम छात्रों के लिए नए विकास के अवसरों को बढ़ावा देने और इंटर्नशिप, कार्यरत प्रशिक्षण और सर्वोत्तम उद्योग पद्धतियों की प्रत्यक्ष झलक प्रदान करने के लिए बैंकों और अन्य वित्तीय हितधारकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के साथ सहयोग करेगा।

<u>राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के बारे में</u>

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) देश में कौशल इकोसिस्टम का प्रमुख वास्तुकार है। यह भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत कार्य करने वाला एक अद्वितीय सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) उद्यम है। एनएसडीसी की स्थापना निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कौशल इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करने और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कुशल व्यावसायिक प्रशिक्षण पहल बनाने के लिए कुशल भारत मिशन के कार्यनीतिक कार्यान्वयन और ज्ञान भागीदार बनने के उद्देश्य से की गई थी। एनएसडीसी उन उद्यमों, स्टार्ट-अप, कंपनियों और संगठनों को सहायता प्रदान करता है जो संभावित कार्यबल को भावी कौशल में अवसरों की दुनिया की पेशकश करके प्रभाव पैदा कर रहे हैं। यह संगठन पात्र संस्थाओं को वित्तीय सहायता, उम्मीदवारों को रियायती ऋण के साथ-साथ अन्य नवीन वित्तीय उत्पादों की पेशकश करके और कार्यनीतिक भागीदारी बनाकर कौशल में निजी क्षेत्र की पहल को बढ़ाने, सहयोग और समन्वय करने के लिए उपयुक्त मॉडल विकसित करता है।

*****